गायत्री मन्त्र

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यम्।
भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।।

भावार्थ :- उस प्राण स्वरूप दुःखनाशक, सुखस्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पापनाशक, देव स्वरूप परमात्मा को हम अन्तरात्मा में धारण करें, वे परमात्मा हमारी बुद्धि को सन्मार्ग में प्रेरित करें।